an>

Title: Need to give free compulsory education to children in the country.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : सभापति महोदय, मैं शिक्षा व्यवस्था के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। इसके लिए आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

सर, बच्चे किसी भी देश की 100औ जनसंख्या नहीं हो सकते हैं, लेकिन वे किसी देश का 100औ भविष्य जरूर होते हैं। भारत में साक्षरता दर 66औ है। वर्ष 2007 में यू.एन.ओ. की शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व साक्षरता रैंकिंग में 149वें स्थान पर था। वास्तव में, शिक्षा, जो एक सांविधानिक अधिकार था, अब वह मौलिक अधिकार बन चुका है। अब यह संविधान के अनुच्छेद 21-ए में है, जो एक अप्रैल, 2002 को पूरे भारत में लागू हो चुकी है। यह मज़बूत तरीके से यह आश्वासन देता है कि छः से चौदह वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा दी जाएगी तथा यह उनके माता-पिता का मौलिक कर्तव्य भी है। लेकिन शिक्षा के अधिकार की ज़मीनी सच्चाई से आप सभी वाक़िफ हैं। अगर मैं राजधानी दिल्ली की बात करूं तो यहां एक-एक सेक्शन में 90-90 बच्चे बैठ रहे हैं। बदरपुर, मोलरबंद, तुगलक़ाबाद एक्सटेंशन, जे ब्लॉक संगम विहार आदि ऐसे अनेक एरियाज हैं जहां के स्कूलों में विद्यार्थी शिक्षक के अनुपात में बहुत अधिक हैं। सरकारों ने इस संदर्भ में कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। पिछले 15 वर्षों में दिल्ली में 40 लाख लोग पड़ोसी राज्यों से रोज़गार व शिक्षा के लिए आए हैं। इनमें अधिकतर लोग अपने बच्चों की शिक्षा, उच्च शिक्षा के लिए यहां आए हैं। सरकार ने इसके संबंध में नीति नहीं बनाई, उनके कारण उन से फायदा उठाकर कुछ नए राजनीतिक दल भी पैदा हो गए थे, जिन्होंने 500 स्कूल बनाने का आश्वासन दिया और 49 दिनों में भाग खड़े हुए।

सभापति जी, मेरा आपके माध्यम से माननीय एजुकेशन मिनिस्टर से निवेदन है कि जो फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने यहां बीस स्कूल खोलने का निर्णय लिया, लेकिन इसी वर्ष के अंदर उन बच्चों के दाखिले होने चाहिए। बच्चों के मां-बाप बेचारे हमारे पास आते हैं कि उनके बच्चों के दाखिले स्कूलों में नहीं होते हैं। उसकी व्यवस्था होनी चाहिए।

महोदय, इसी प्रकार से, वर्षों से देश में विश्वविद्यालयों की संख्या में 11.6 गुणा, महाविद्यालयों में 12.5 गुणा और विद्यार्थियों की संख्या 60 गुणा बढ़ गयी है, जिससे यूनिवर्सिटी में बच्चों के दाखिले नहीं होते हैं। लोग सैंकड़ों किलो मीटर दूर से दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने आते हैं तथा दिल्ली में पढ़े हुए बारहवीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा नहीं मिलती है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेज देश के बाहर राज्यों में भी खोले जाएं जिनसे उन बच्चों को एजुकेशन मिल सके।

महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON : The House stands adjourned to meet tomorrow at 1100 a.m.

19.22 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, August 14, 2014/Shravana 23, 1936 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्न्द्ध अ ईढ्ढत्ड्ढड्ड ड्डड्डथ्ड्ढ ण्ड्ढ दड्डईर्ढ ढ्ढ ड्ड म्ड्ढथ्ड्ढड्ढ त्ढड्डत्ड्डड्ढथ्ड्ढम् ण्ड्ढद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्डढद्य्त्ढ्ढ ईम् ड्डहय्द्वड्डथ्न् ड्डत्ड्ढड्ड ढ्ढ ण्ड्ढ ढ्थ्ढ्ढ ढ्ढ ण्ड्ढ Hढ्ढद्वम्ड्ढ डन् ण्ड्ढद्य् म्ड्ढथ्ड्ढड्ढ.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड ड्ढम् ढ्ढड्ढड्डड्ढड्ढड्ढड्ड डन् ण्ड्ढ ण्ड्ढत्ढ.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

** ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड ड्ढम् ढ्ढड्ढड्डड्ढड्ढड्ढड्ड डन् ण्ड्ढ ण्ड्ढत्ढ.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* ग़्ढ्ढद्य् ड्ढड्ढहढ्ढड्ढड्डड्ढड्ड.

* Eढ्थ्ढ्म्र्ण् य्ढ्ढड्ढथ्ढ्थ्य्त्ढ्ढ ढ्ढ ण्ड्ढ च्ढ्ढड्ढड्ढहण् ढ्ढ्ढश्त्ढ्ढथ्न् ड्डड्ढथ्ढ्थ्ड्ढड्ढड्ढड्ड त्ढ ढ्ढर्त्थ्.